पाठ 13. कूड़ा मत फैलाओ

पाठ का परिचय

नीना के घर के आगे एक नाला था। सभी लोग अपने घरों की बेकार चीज़ें उस नाले में डाल देते थे। यहाँ तक कि बासी खाना भी वे उसी नाले में डाल देते थे। एक दिन ज़ोरों की बारिश आई। नाला पानी से ऊपर तक भर गया और उसका कूड़ा बहकर फिर से घरों में आने लगा। यदि वह नाला साफ़ होता तो बारिश का पानी अवश्य बह गया होता। आज वहाँ के सभी लोग बीमार हैं। डेंगू से सभी का बुरा हाल है। सभी अस्पताल की ओर भाग रहे हैं। वे इस बात को क्यों नहीं मानते कि इस बीमारी का कारण वे खुद ही हैं।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

साफ़-सफ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। गंदगी अपने साथ बीमारियाँ भी लेकर आती है। केवल अपने घर को ही नहीं अपने आस-पड़ोस को भी हमें साफ़ रखना चाहिए।

पाठ का वाचन

कविता का कक्षा में सस्वर वाचन करें। कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते हुए कविता का भाव समझाएँ। बच्चों से एकसाथ मिलकर कविता वाचन करने को कहें।

महत्वपूर्ण चर्चा

सफ़ाई का महत्व बताते हुए चर्चा प्रारंभ करें। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बच्चों से प्राप्त करते हुए कक्षा में चर्चा को आगे बढ़ाएँ –

- घर पर या स्कूल में किस प्रकार सफ़ाई रखी जा सकती है?
- हमें कूड़ा कहाँ फेंकना चाहिए?
- यदि कोई कूड़ा सड़क पर फेंकता हुआ दिखाई दे तो क्या करना चाहिए?
- कूड़ा फेंकने से पर्यावरण किस प्रकार गंदा हो सकता है?
- चारों ओर कूड़ा पड़ा रहने से बीमारियाँ किस प्रकार फैलती हैं?